भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 456 का उत्तर

बेलापुर-परली रेल लाइन का सर्वेक्षण

***456. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र में बेलापुर-परली रेल लाइन का सर्वेक्षण अंग्रेजों के शासन काल में किया गया था तथा इसके निर्माण के लिए धनराशि का प्रावधान भी किया गया था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा अंग्रेजों के शासन काल में उक्त निर्माण कार्य पर कितनी धनराशि व्यय की गई थी;

(ग) क्या देश की आजादी के बाद उक्त रेल लाइन का सर्वेक्षण किया गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त रेल लाइन के निर्माण में विलंब के क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 02.04.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 456 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले, महाराष्ट्र में बेलापुर-परली रेल लाइन का कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया था। बहरहाल, 1920 के दशक की शुरुआत में बेलापुर-शेगाँव (80 कि.मी.) नई छोटी लाइन के लिए सर्वेक्षण किया गया था। बाद में वर्ष 1948 में कार्य को बंद कर दिया गया था। उस अवधि के दौरान निधि आवंटन का ब्यौरा उपलब्ध नहीं है।

बेलापुर स्टेशन पहले से ही मनमाड-बेलापुर-अहमदनगर खंड पर एक मौजूदा स्टेशन है। बेलापुर पहले से ही परभणी, जालना और मनमाड के रास्ते परली से जुड़ा हुआ है। बेलापुर और परली के बीच संपर्कता को और बेहतर बनाने के लिए, निम्नलिखित कार्य स्वीकृत किए गए हैं:

(i) अहमदनगर-बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (250 किलोमीटर)। अब तक, अहमदनगर-बीड खंड (169 किलोमीटर) को कमीशन कर दिया गया है और शेष खंड पर कार्य शुरू कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान परियोजना के लिए ₹103 करोड़ का आवंटन किया गया है।

(ii) मनमाड-अहमदनगर-दौंड दोहरीकरण (247 किलोमीटर) परियोजना के हिस्से के रूप में अहमदनगर-बेलापुर (67 किलोमीटर) खंड का दोहरीकरण कार्य शुरू किया गया है। अब तक, बेलापुर और अहमदनगर के बीच लगभग 48 किलोमीटर का दोहरीकरण पूरा हो चुका है और शेष 19 किलोमीटर का दोहरीकरण का कार्य शुरू किया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में इस परियोजना के लिए ₹268 करोड़ का आवंटन किया गया है।

इसके अलावा, बेलापुर-शेगाँव-परली (241 किलोमीटर) के बीच नई लाइन के लिए एक व्यवहार्यता-पूर्व सर्वेक्षण वर्ष 2018 में पूरा किया गया था। बहरहाल, कम यातायात अनुमानों और पहले से स्वीकृत अहमदनगर-बीड-परली नई लाइन परियोजना के कारण इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया गया।

*****